

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

आपदा प्रबन्धन अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 23 ^{मई} अप्रैल, 2016

विषय:- वित्तीय वर्ष 2016-17 में जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्रों के संचालन एवं मानव संसाधन के वेतन हेतु राज्य आकस्मिकता निधि से प्रथम किस्त की धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य के समस्त जनपदों में स्थापित जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्रों के संचालन हेतु कार्यालय में कार्यरत कार्मिकों के वेतन आदि के भुगतान हेतु प्रति जनपद ₹ 2.00 लाख की दर से कुल ₹ 26.00 लाख (₹ छब्बीस लाख मात्र) की धनराशि राज्य आकस्मिकता निधि से अग्रिम के रूप में आहरित करने एवं व्यय किये जाने हेतु निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. आवंटित की जा रही धनराशि का व्यय स्वीकृत मदों में ही किया जायेगा। धनराशि का आहरण किये जाने से पूर्व सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा। धनराशि का गलत उपयोग होने पर संबन्धित जिलाधिकारी का उत्तरदायित्व होगा।
 2. स्वीकृत धनराशि का आहरण व व्यय मासिक आधार पर किस्तों में वास्तविक व्यय आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा। अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि नहीं किया जायेगा और न ही अधिक व्यय भार सृजित किया जायेगा।
 3. उक्त स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग कर उसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति एवं मदवार व्यय विवरण उपलब्ध कराया जाय। यदि वर्षान्त पर कोई धनराशि अवशेष रहती है तो शासन को समर्पित कर दी जायेगी।
 4. व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत प्राविधानों एवं मितव्यता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।
 5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2017 तक उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को निर्धारित प्रारूप पर उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय प्रथमतः लेखाशीर्षक-8000-आकस्मिकता निधि-राज्य आकस्मिकता निधि-लेखा-201-समेकित निधि के विनियोजन के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 के लेखानुदान (दिनांक 01.04.2016 से 31.07.2016 तक) के अनुदान संख्या-06 के लेखाशीर्षक-2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-80-सामान्य-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-06-जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्रों का संचालन-42-अन्य व्यय की धनराशि दिनांक 01 अप्रैल से 31.07.2016 तक की अवधि के लिये अवमुक्त की जा रही है।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अ०शा०पत्र संख्या- 15-P/वित्त अनु०-5/2016, दिनांक 05 अगस्त, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमित सिंह नेगी)
सचिव

रा०आ०निधि संख्या- 122 /XXVII(1)/2016, दिनांक 06/08/2016

प्रतिलिपि महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबेराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,

(विनय शंकर पाण्डेय) अर्जुन सिंह
अपर सचिव, वित्त

संख्या- 1213 (1)/XVIII-(2)/16-12(21)/2007 TC, तदुद्दिनांक
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
- 2- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी एवं कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
- 4- अपर सचिव/वित्त एवं व्यय अनुभाग।
- 5- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 6- बजट अधिकारी, बजट निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- निदेशक, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- निदेशक, कोषागार, 23, लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
- 9- वित्त अनुभाग-1 एवं 5, उत्तराखण्ड शासन।
- 10- गार्ड फाइल।

28/4/2016

आज्ञा से,

(प्रदीप कुमार शुक्ल)
अनु सचिव